





श्रीगणेशायनमः ॥ ॥ अथाहितउपदेशकथा ॥ लिखिता ध्ये सुताप्रसुप्रसा
 दानस्यधुर्जतिभयानोभिकेनयेते ॥ नपूधनीससिनकला ॥ मन्नाधुर्जतिभ
 यामाहानुकाप्रसादले सज्जनमनुष्यहसुसवेकाकान्धसिद्धहुन्दश्रीमाहोदे
 वकासिरजतामा वल्गाकिगङ्गा फिनजलो सेरोचन्द्रमाकाकलाजलास्वभा
 यमानभैरहं हतलेगणि सोहीतउपदेश काकथाहाले सत्कृतपनिगुहं ह
 बोलनाकापनीपुरे हुं ह विनीमातृप्रभापनिजानीहुं ह होसीसाएना जोया
 निमनुष्यले सदाकोअजम्बरे भैरहं लाकार भैयानलोमनमायागीकनवि
 द्राकाचितनागर्गुपदधनभार्जनामा पति अजम्बरेपामाकाहु भैयानलोठा
 नि उपार्जनगर्गुपदतस्कारनले सोलंसारननेभदाहुलो विद्वारघनहोकलातरह
 लेभयाविद्वाराभयाकाशजाले भयोचोलेभयोअग्निलेभयोहरिनसकृत्कैले
 पतिदेवनहुम्मा तस्कारणविद्वाराधनजतिकाहुलो भकोकेहिदेन भानिसत्
 पुनसमनुष्यलेजानीगर्गुपदजलोगणिडिले चिनकगईकरगकालले आई
 नपुन्याठाडमा समुद्रसम्मपुन्याउह तस्कारणविद्या हुन्नाले सवेजानदहत्त
 लोभुत्त सोलंसाएना वृद्धकालभलापतिधनविद्वाराहुलो हुन् भनिजानुतस्का
 एणलेजलोनगासाग को भाडाभाएव्याकोबलुअपुद्गहुं ह तस्मैवा
 लवकालमा पस्याकोवीआकलेकापनि हुं ह तस्कारणलेवीआध
 नकोचर्चाहायहुं तैगर्गुपद पंचतत्वगणिगतागुंथडे भि सैग्रहगणिमित्रला
 भ सुहृदभेदवीग्रहसवे ईचाथोकको कथाहाले हितउपदेश काकथा
 हसकईहु ॥ ॥ ताहाउपान भागि एथीभयाको गङ्गाकानिमा पहनया
 कासकनगरहेह तलनगला संपुर्णराजा कालक्षरणले युक्तभयाका सुदर्श
 नभन्यातामगन्याको राजाभियोतसरजाले पेकडिन काविमयेकोहीजा
 निजनहकुलेपह्लाकापुनिपापार मनमाविचागर्गुलापानवराजाआ
 म्पागर्गु मरका लं धेह सवे फालन्यात नदेव्याकोकुरे देव्याउयासास्त्रभया
 कोसवेकाआवाहोभनुसास्त्रनजान्यामनुष्यकण अंधाहोभनिजानु राज
 मन्नाधनमन्ना जोभनमन्ना विवेकि सोचारेथोक जसमनुष्यभाजीहुं ह भन

र्यहो भनिभनु. प्रकथेकलेमात्र. परिमान नही जाह भयाका अर्थसुनिकन.
 सुदर्शननाम राजाले भविष्येचिंतना गन्पातमर्थ आभु द्योरा हस्तवे भुवि
 धाए हन द्योरा हस्त कसेगए सुपेडामा लाउया हो भनिममा विचाएगए
 द्योरा हस्त द्योरा हस्त भाले कागर्हि जत्का द्योरा हस्त द्योरा हस्त ग्यानिप
 दिनधमाला द्योरा हस्त भाले भयाका जत्काकाहु आभाका प्रसोज नई देन नानेभ
 र्यहोरा हो भनु बाबा महताए कामरि को दिन मात्र गय द्योरा हस्त द्यो
 रा जन्म दासवे कए प्रसि ह हस्त तव द्योरा जन्मा भनु ॥ ॥ स्केना
 विमुपुये नावे उराहु को नलाधना ॥ कुल पुनरुत्पत्ति हेन चन्देने व प्रकासेन
 ॥ १॥ लाहा प्रात वि उरावनं सज्जन भाला ताए के पुत्रले पाने आफना कुल प्रकाह
 गर्ह द्योरा हस्त द्योरा ले दान गडेन दन पस्या पानि गडेन संग्राममा पानि सुहे भने
 न बोलनामा साह्य को भेड न पाई बोलना जग न गय ह ला द्योरा भाला
 ले नावा वार आभाका ग लोक सतापमात्र दिवा हो तेला द्योरा को केहि प्रसो
 जन द्येन पुत्रकन जन्म हस्त भयासवे कुल वसमा जस कुति गिदिया हस्त
 ताए के पुत्रले पानि हस्त द्योरा जन्म कन ग्यानि पंडीत धमाला द्योरा नाने
 लवंत न भाले सीता भाला चाही गर्भु ह्यो कोनी को हो भनु अथवा जन्म
 दान नई मजिना न हस्त द्योरा जन्मा हुडी कया दान दिनु पाई हस्त पोपनी
 बहुते धर्म हस्त भनु एति जन काले जागड जिम द्योरा के ले जागड लिखा
 मन तात द्योरा के महताए कन बाहो ह्यो कि भनु तसर्थ पुनर्जन्म माध
 र्य ग्याका पुनर्जन्म हुडि धर्म का फल ले धमाला जानी पीडीत धन मन
 बाबा महताए का वसमा ह्यो हुजा हुजा हस्त तेला कन द्योरा भनु तेला द्योरा
 ले निध धन अगर्ज गए बाबा महताए कन भुव भोग दि ह्यो जनी नरक
 ला हस्त भया बहुते मुल सिणि मधु पुन च न बोलना हस्त तला को द्यो
 रा पिता माता का वसमा ह्यो आफना कुल धम प्रकास गय हस्त न

वसंतामा जन्मलिनु भुव लतिके हो भनी कन तस्का लले मेरा द्योरा हस्त

वसंसासा. जन्मलिङ्ग. पुष्प. लतिकें हो भनी कन तत्काल ले मे ए दोरा एक
ए सुबे डामा. लाई कन. गुनिगानी ह्म. तसर्थ गुठा गुठी ह्म ले भया को ह्म कसो
भया आयु रधत. बिडा धर्म ईचा थोक. तजक्त जति डीसा का ह्म नि
विधाता लेग भे डी लो लो डीसा का ह्म सो ही सा बपा ह्म नै पनी ना बस ह्म
ना ए ले नाल बडे जी आफता देग कन सुना लमाला ई ए वरु वरु ॥ १० ॥
अनस्य भावितो आमा. भवीने महतापि ॥ नया नवी विकलं तस्य. महा. दीप्ते
दिएं हरे ॥ ११ ॥ एस्स सासा. जन्मलिकन. भाविधात ले लो डीसा का कुरे
अनुभोग सवें ले भोग गर्त पई परि ह्म दुल्लान कमा ह्म भया. भाविका व्याल ले
ने लोक काठा कुर ईचा सा हा डे व कन पति निल कंठ बनाई कन नय भेरे ह्म प
रे थो वे कुरा मार ह्म ह्म ह्म भया विष्णु पसे भाले पति से सताग का से.
ज्या मार हि नल मार ह्म पचो ज्या ह्म कुरा ह्म आफता कर्म सा. भावी ले लो लो
डीसा को ह्म लो कुरे न भेरे ह्म दु ह्म नै पनी सस संसार मान नालि सा पदि
कृपा कर्म वाकी वे वला धर्म कर्म भया. का कमा दोरा के दोरी ले भलो वठी पें
लिउ पई ह्म पानी जत का मार्ग अघी डे लो ह्म आफता कुल डे लो गरी आमा का
चालन दोरी दसा धर्म का चाल सा. रहत तस्म पुष्प कन प्रह लोक सा. पुष्प सपति
पर लोक मे भुगानि पाई ह्म जन्मो ए ले धर्म ह्म डी कुल को बच गि ए कुल कर्म
उडम ह्म डी रहना. ह्म तत्कन वडा अल्सी धिगरे भं. कसो भया प्रकें चकले मा
चर चल्डें न तल्ले हो रथ चला डगलार्ड ई चक चही ह्म तल्ले परिकाले विना ध
र्म का उडम ले भाग्य फलित हु डें न धर्म गन्ना प्रान्त भाग्य ह्म के ह्म न भनी जानी
ह्म ॥ ११ ॥ पुर्व जन्म कृत कर्म त देव मिति कें व्यते ॥ तस्मात् पुष्प कारेण. सन्तु
म्यदि तं दिसे ॥ १३ ॥ पुर्व जन्म माग याका धर्म कर्म जो ह्म ते से कर्म का अनुसा देव ना
त भोग्य गार् ई डी ह्म लो भुगि ह्म ले कुल कर्म धर्म न ह्मो डी गुरु पई तत्काल ए भ
लो होला. पतिकर्म कुरा गरी कुरा देव फले जानला तस्म पुष्प कण दोष ह्म
न जलोग गरी कुहाल ले प्रकें माग का ताना तरु को माडा बनाउ ह्म तल्ले गरी पुर्व ज
न्म सा. पुष्प पुष्प भाग्य फल पाई ह्म अनुपति भया को ह्म आफले पुर्व जन्म सा राणी

आमाको भया तो आफना मुखी जि भयाको धन द्रव्य पनि देव वा दिलाई दिने
 आमा हातले उठाई लिउ. पई द. ताकाएनले छोए लाई बाबु आमा ले बेला बखत
 पहासा का ति बाबु आमा बेही हुन भनु कथा अर्थ ले भयाई स का सा भामा बकुला
 बसा जाही मुख छोए जो ईंद्र सजका. सभासा. स्वभास हुने ॥ ११ ॥ रूप जो
 भन संपन्न बिसाल सनम भवा ॥ बिडना हिन नसे पिने नग धाहिन कि मुका
 ॥ ४ ॥ देवता ए सो जो भन पुन हिस बडा कुल मा जन्म लि उन संपति भरि पुन हिस
 स. ते पनी बिडना. न जांया का छोए. को के ही प्रयोजन देन वासना भयाको
 फुल. को पनी आयु यक से ले एषडेन. भनी सुसर्त नाम भया का राजाले म
 नमा बिचा गरी साभासा. सबे पंडित हसु को लाई करग भडा भया ॥ ५ ॥
 राजो वाच ॥ हे बी दिन हो सो पेडा भाव सि र ह्या का मे ए छोए हसु करण. साख्य का उपडे सले
 गरी पुर्व जन्म भया चाही सुपेडा मालाई उड हिरा सुका गहना लाई दिपा हुडिता वाड
 र पनि मानि सको सो भाजाई ईंद्र छोए मानि सपनि वडा का सगग्या हु दिवडे हुन जान्छ
 तस्कारण ति मे ए छोए हसु सजत का सगग्या हुडी भू धन वृ कि भानि बिनी गन्या को
 हो भनी जाले पंडित हसु सग. बिनिगडा विभुस मनिग गन्या का पीडित वृ हस्यति मे मे
 राजा सग. बिनी गि र हे माहा राजा वडा कुल मा जन्म लि या का ह. राज पुत्र हसु
 करग मिति साख्य पहाड न बचान सकेन हनु र का निमल व स मा ज म लि या. का ज्य
 ज्य धरा ज्य हसु पुत्र न भै कु पुत्र कथा हुन वृ. कथा हो भया बिद्या जान्या पद्यी
 मुख हसु पनि पाती ईंद्र राजा कारण हनु र का पुत्र हसु लाई हसु मै हा भी च मा ला
 लजान्या तुल्य डि था भानि विभुस म पिडित ले बिनिगडा राजाले आग्या गद्
 वृ हे पंडित ज्य वडा म मुख ले प्रति ह्या. गन्या हुडिता हु गा पनी देवता ईंद्र कसे
 किर पनी फुल का. सगगले ईश्वर का सि र मा च हसु त मे पारि का ले वडा का
 सगग्या हुडी बडे के हला ह. उडल चल मा ह्या का द्रव्य धातु पनी श्री लू य का

किराने लाग्दा भोजु ले ते ज हुन जान्छ त मे पारि का बो दिन वर पनि वडा का सगग्या
 ...

किराने लागदा मोजुले ते जे इत जे नान्द ते पेलिका बोहिन वष पतिनडा कासी गगना
ईडी वडे इत जे नान्द तल्लकार मेल पुत्र हसुलाई सुपेडा मा लउजा का मेल केत
माई का मेलो सा माचला ह्म भनि आग्या गंरि कए मीडित थार्द ह्म ए सो प्यार ए
मपुत्र ह्म पात्रे पीडित गुरु पाई कए माधों प्रार येका चेत गारि पडुला ग्या पं
दित लेपती राज पुत्र ह्म कन उचाहाइ मा प्रकांत स्पल मा नसाई कन मत पडो क
थाहा कहना का आरंभ गर्न लाग्या ॥ १ ॥ इति प्रो होतो पुडे स नीति सा रौ मे
त्रला न कथा हा प्रथमो ध्याय ॥ १ ॥ काष सास्त्र घनोडे ने कालो गद ति वि
तमा ॥ वसन ननु सु धिना नो कपा कलह वंती ॥ वोलुस मी पीडो तले रा
ज पुत्र ह्म कन नन्दे हे राज पुत्र होय क चोता मन गो र सु न म कथा हा
कह हु कमा भन्या जो ग्या न ज नहुं ह्म र का वेसास्त्र का कथा हा मुडी
न का डुड छ छ घट कले जु वा बाल कलह गार डोत का डुड के तस्का रवा
तमा मन सास्त्र वीड्या का ग कहु वा के वडे ने चोत्र न या को कथा
का कह नहु मी डोरा न पुत्र ह्म ले आ ग्या गर्नु ह्म र न न्या र पीडो तले
कथा हा कह नुला ग्या हे राज पुत्र स्वस्थ ये न्त गार सु नु ह्म र स्व
न नहु नाले का धीति छि गन्या का व्रद्धि मीत्र का वलले पना का
धीति छि गन्या व्या ताहा प्रान्त वुसा न न्या गो ज कोर का धी रमा
हा पंके वेडो मी मिल का वृक्ष पो पां स वृक्ष माहाना ना डोरा डो वि आ
इ कंन पीछो ह्म वास्व वर ड्या ताहा प्रान्त काल मा अन पा बल न
न्या पर्वत मोच पुत्र पु ग्या ल धु न पा को का ग वस्त्र कोर ह्म ह्म र
का गले जरे ना गरि सु डुतले हे ध्या तले गार हे दे दे हे धो स र्प हुन
ह्म सो कह न्या हा ड मा र ग जाला गान्या मती नु जा वन पर्व
कार गान नु म न्या मानी ह्म ह्म ल घ ति न गनु न न्या येता कोर ना
हं प्रा न्त ती सा का पीछो ह्म कन लघु पतन का गले मी छ हे पंछो
हो आज ना व्या वसे कमर न क मा हा बुलो ने पछ प क छे क ड प
ह्म ये रह त्या हे न ननी सवे पीछो ह्म कन ड घ याता हा प्रान्त ते

स्यात्वाले व डोवनसा जाल फीजाई कनजाल नीव चा बल हो ररा
 धोर आफु लुके रह्यातले समप चा चौन गृव भन्या का परे वा का
 राजाले अ फा परिपार ससेत नो आ फा सेनात स्वर थी पोती नह
 रुसेवे करण अ का सवेग गरि उरि आठ दामो छर द्या धाले हरि
 राध्या का चावल डे धार पो चा बल कछा वार सोपो पिस माटा कोर
 कार न हो लान नुशो घाना कली न भाप गा ही डना हामो बल न
 लोह न्यो छेन केसा भन्या सुन वग कंकन कालो नले पुवा बा बले
 ली म्मा पारि काई कन वाट आ ही डन्या व डो हा ब्राह्मन लाई मोरे पो
 तेसे हाला ॥ १ ॥ इति श्री हीत उ प डे सुनी नो सा रे मी वल म कछा
 हाड मियो ध्याय ॥ २ ॥ प्रीत से वे कुरा सुनो कन नो आ फाल सुक
 र परे वा दै सवे हो वी नी गिरा ला ग्या हे माहा राज पो कुरा क सो
 हो आ ग्या गुरु ह वर न नो वी नी ग मार न व चो गृ वरा न न
 न्द न ह परे वा हो सुन पो कुरा क ह डुता हा प्रान्त घ क डो नु म क को
 इ दि स का वन मा च क नी ज मे ले प्रत छे डे ध्या का हुन सु वन माय
 कवा घ चो पो हे सवा बले अस नान गरा हाग मा कुस लो कन व
 ड टल ड सा डुरि ज प ध्या नु गन ला गि रह्यो थो छे स वे ला मा वा
 घ ले पु नो ब्राह्मन कन ड धार ब्राह्मन कन वा घ न छे हे व तो ही
 ब्राह्मन जा हा सीन चला इग नु ह व स न नो र न व व तो ही ब्राह्मन
 ब डे लो नो ले कन मन मावी धार गरि व रा ह छे आ ड टा मेरा
 भोग्य ल व न प्राप्ति ह न ला ग्या की वी पती का वेला आयो न तो अ
 ली क वर उप ला गी र सो फरि सन ला की धार ले न छे न प स ता सी
 डे ह ले व के भलो हु न्यो छेन नै ज्वा ल हा स सुष को प्राप्ति हु न न्य
 सी डे ह नानी कन हु डेन अव वा ध सीत वी ला गी हे स न न वा घ

हे न न्द न ह वा घ ते रा क क क का हा द न ह न नै दा ब ठो हो ब्रा
 ह्मन क गा वा घ ले के क न हा छ ली डे वा घार नै छे ह ब्राह्मन मे

देन नन्दन हवा घते रा कंकन का हाद महन ते दा बछो हो वा
सन करा वा घले के कन हा छ ली दे वा घोर रे दे दे वा सन मे
ले अक्षान गगो सु चो मे के कन ~~दे~~ न दे ना कन त पार के रस्तो
दुटा हा पनी नवु धी प नी अ वा सु घसा डात पनी मे रा दे न न
हात न प नी न ग रा दे न न प र ता वु वी न रे ला दु ति मी ले मे रा वो
स्वा र स कि न मा न दे न ज ग्ग ग न वे ड प न डा न धी न त प स्य ग न स
ते वा ले न धि ज मे र ह न स वे का दि मा ग न प ती आ ठ ठे क व दा
का सी ति नो वे ड न्द स वे सी त हु डे न त स का र रा मे ले लो न
देा डी स स्य दु न च दा क्या न जा प्र हात का सु का के क नी ड ड ड
अ न्दु घा त्मा ड ड न्दा वा घले म नु ध्य क न पा न्दु न नी लो क ह र
न न्द न त स का र न मे ल ध म सि स व ब्र ह्मा को हु स सा स्र म क
ह न्दु ती म म नु ह व र ता हा ज्ञा न के सो म न्दा पो स सा र मा जो स ड न्द
सी न मा हु दे आ न्ना आ त्ता र पा मा त्ता ज नी म र अ न्ना लो ड ड पा ग दे न
अ म प नी म न्दु क ठ हा ग न्मा ड न ग ड म डु घ सु घ जी प का न ग ड म
लो क ह र ले वे ले प्र न म ग ड ड न ग ल का र न ले ति मी वा स न ला ड मे
ले वे डो डी रे धे धा र ना पो ले प स वु का क न्क न्दो न्दु म न्पा को हा गी
ता मा प नी मी ह स ले रा मा नु धी ह र ता ड न ने को धे हे नु धी ह र जो
का ही डा वु ध के गालि दि ती न क क क न धी धा म रि पु न ग रि का
हो म न्पा नो रोगी ह त त क्क न्दो अ प धी दि म्मा पा ला ग द न रो
धी ला ड ओ धा क धी पा नो को ह प्र घा न न दे न अ र प नी म न्पा के
छ क सो म न्पा जो सु पा व द पु न्प ल धी वा चारी ड न वे लो ले मी ते
रा डा वु के अ क्ष य म न्द र न नी डा म त ल न्का र रा ड म क र
हं दे रि स रो व म गी म अ ह्मा व म रि प्रो स व न का के क न वे ह

हवत् नन्द वाद्यकावयनसुखी कबुत धीशानलेलो भुका
 मायागिरी सुरोवाजी गामा अहमागोहि नवी नाइमावडो
 सीममापनोए अतोफवलगन्पावकगडापिनी तेसकी वनाउ
 मकगसेकनने रतववाद्य नन्दहे गुछेवा हाने पर्षी पिपी
 नतला इडकारुना नीहलो हलो जाईकनवतोही प्राक्षान
 कनसिंगमात्पोरवतेहि प्राक्षानले मनमायेत नागबलिगिपा
 कमातागधे उस्त आस्माने नन्पाको कयनका कय नलो हो
 लाती नहलेव मसासु प.आका मप पाते वेड पडाका मपापे
 ने जिसेना अची डो चियासो न विसाको द्वाखलाकडाची
 तहुतडेन सो परिकाखेवडा काखना वडेहु द्वा उस्त को सो भा
 उस्तहुत उस्त चीतागन्पाको की पपनी अर्थ हो कख नन्पा
 हाकीले अहमा नगन्पाको रपुह ननेमपाकी अस्त्री ननेग
 हनाप्रागाको मारी पाकना मान हो गानने कनकावेवने
 तं सवका की पदी आरहो नन्त रका रंले मेल जा नी न आ
 पुकन मान्पासीत चीस्वा सीगन्पा तिमी साखना पने भन्मा
 कोद कसो भन्पावेले मारि कासो मयवी चारग र्स्वभा
 चन्नी नापनी का मसी मास ताहा पदी एग सील कोवी चारग
 उ सो भास भन्पा प्राणि को मसी मात हद भनी विचारगडा
 गर्दे वाद्यलेवगे ही बुढे प्राक्षान कन मोर व्या ॥ धू ॥ इति
 श्री हित उपदेश नीती सोर मोच लाभ कथा हात ती प्रो ध्याय
 ॥ ३ ॥ ताहा उपात्त नवमी नूतन पद वाकारागा भन्दने देप
 ववा हो परत करुनल न भन्दु के क राला भले वतेही गुछेवा

लून मडाआजी हा मी ह रूपनी मसेला चावल कालो भले हा मो
 न्पाकेन नागने लास नडावी चारन गरि कन काम गन देन

सैन मडा आजी हा मी ह रूप नीम सेला चावल कालो अले हा मो
जुंको नारु हों लास वडा वी चारु न गरिक न काम गरु हें न
का अच ले न न्या नी न गरि प का पा का अ न गनी पा न ले पु
क क भ पा का दारा सा सु स सु रा स्वा नी का आ ग पा मा रु हा
का सी नी जन प क मा गा गी से पा ग न्या का सरा ना का प न ले
वी चारणी वोला का कु रो पु अ वी चारि ग न्या का का म के
ले प नी वी गार ह डे न क न द्या पी न सु व पे ह वा का फे ड मा
य के पर वा वे रा अ ठ का वी वी हो द र न सु पे व ले न छे ह ना
हा ए न न्या की ठ का ग ह ड प क क रं स वी नी ग डु सु न न
ह व र व लो न्या वु ध का ल ना वी प नी प ड उ ठ का आ नी नि
वा ठा र ग नु न्या का ह ड म ज य स व व का न वु व ह व ग
व ध न ले न न्या का म्मा ज न का प नी ड ला वे हो ला प न
ही सार मा अ न प नी आ की गारि र व नी नी का ल वा प्र ग मा
का ह डी का न न पा का न के हि प नी ह डे न सी का का वी ड
जा न न क न प नी ह व डे न ध री सी का ग न्या ह डे न के ले का
म पु क र डे ग न स का ह डे री का क म ग न स वी सि म ड र न
ग न्या ड पान न या का स चा अ री नी की व र व र स हा
ह व व को सी का म न न्या प न्या डे का का प ले आ का म पु प
न न्या प र ना म न म क न व डे डु धि अ न न प नी व व न अ ठ का
रि पे र का का सु नी क न से व पे र वा वा धा का चा प ल ह र रा या
मा ना ड प वा धे रे ध स सा स न्या का न पा प नी पु रा न न्या का
अ पा प नी स वें स स आ का ल न्या अ पा प नी लो भी अ पा प नी डे वें
का ड न्या ह डे ना न ल मा न्या स नें पे रे वा ह डे आ न क न ग डे ला न्या

माधको जालमापयो ताका पक्षी गसको वचन ले बावन बा
 नभरी गले पयो उसको हाँका ऐ पटेना कन अरु सबै पटेना कन लेगा
 ली सापगन लाग्दा तब बहुतेलो कन जाया दु भरी यकलो अघी
 गरि केही काम नगर्नु के अथले मया काम प्रसन्न गरया दु दो
 तथे कन जल मी न्द वी ग्रन गप्पा पछी जो अघी गरि नोल्छ त
 तेका ली कामाचौ लाग्दछ ताका प्रान्त सबै पटेनाले यक दुही
 गरि अही का ऐ पटेना कल गाली गर लाग्दा के एउटा धी अगुव
 पटेना ले मु रिक्का आगपा गर लाग्दा हे पटेना हो बाकत कोर
 तीनी कन तथे यक छु गरि गाली गर लाग्दछे की तभया आ
 पडा पडा मग तथे कामी चर्चनी सन्नु दुन जाई दी हानि के छ मया
 आभी आमा के दुडु बात जादा मापनी बाधा कर गाई का पाउस
 जु दुन जान्छ जोगपारी छ तन कन लेता कसे कन आ पडा पन जा
 नला पनी जसो दुध्या एउटा सको ताकन थलो वन्दु हो भरी गर
 जु छेबले माय जे लोकाचा माग ईद तेमा केर मोचन भन्नु
 वीपत काल मा भला ली एउटा कर कान्त भन्नु तस्का ए वी
 पत काल मा धी जपे भेकन दुध्या को बागे ली कन गर भरी वडाव
 डा सायन मा भन्पा के छ वीपत मा धी जे मार हनु धी वरु मा कु
 पावा गरु स मा सीलरा गा वले वोल गरु म मा सुरो भेक
 न पमा कन जरु मी तन्पा वत न मा इ सायन सायन मा यीन
 लगे उत परी जे जे छ वडा काय मा पमा नहुन्छ दुष म डडि रै
 अरु मा न्पा सुप्रमान चस्ती स ग म मा धी जे भे पर क म गप्पा
 पला छे रा जन्मा उन्प म हतारी विडा चीन् मा वे हुन्छ वृक्षाना लेप

नो पक म तो गहि काम गन्ना हुँ कुलो काम भपाप गिनी छव गर
 उन सव छुन्छो छान्त वया छुन्छो वकी पाछो डो लो मडा हा ती

नो पक म तो गरी काम ग न्या हरी कुलो काम न भ पा प न सि ध व ग र
उ न स क ह न ह्री प्रान्त व न द न्या व की या न्यो डी लो म ड ह नी
प वा धी ए म द न न त स का र न व कै का प कै म तो गी व न कै प ल अ
का र न द नो ग र न न्या र सी हो व च ग सु नो स कै प रे लो स य कै वा कै
गो वि नो ग डी न पा त व र न्या चो ज न्य न न्द न ह प रे का ह ग म य
क कु रोग र डु सु न मे रा मी न ही र न्य क ना म ग-पा का प क म र
द न गी ड ली न्या चो व व न न न्या को व त न क र न्या का द न त व
ति न द ड ग पा डे चि हा न्या पा लान वै क्का दि द्यो न न भ नी क
न वी चार गी से व प रे वा ह रु नाल स ही त गी र ग पा ह र न्या
क म सा का ड ला द ड पु न ग पा डी र ने मी लाले प नी क ड यी
तु क डे धा त आ प ड प ली की भ नी सी का लो प क स य १०० शु च भ
प क डु लो नु ल्मा ई चो व व न न गी र न्या व न ठी पी ट व प रे वा
उ डी उ डो मी पा व ग स द न न्या री ह र न्ये क नु स ओ ठी ह स क
का ड र न आ प्ता घा डु ली कै च न न ग पा ठा हा प द्यो प रे वा
का र न आ चो च प व ले न र डु ली का नु च मी गै हा क पा न नी
ज ग र न्द न ह री नो ह्री मी त म ला ई डे चि क न न ला डु र गी के न
ज न्द न न न डी ह री न्य क नु स मी च क व च न यो लो चो
न न न वी र गी ड ला व न नी र क मी व नी ग ड द न ह री न्या
रा ज न न्या का वी नु ह री उ न न स की प ह र ह नु र न्या द्यो
ध डे ध डे नो का म ल ड स न मी च र धा र प वी च न्या न च
यो ध र न्या नो चि च म प रे वा का र न्या ली चि च र न्या वी र न्या
ग ड ली न्या नो चि च म प रे वा का र न्या ली चि च र न्या वी र न्या
मो नो प क डु प रे वा का र न्या ली चि च म प रे वा का र न्या ली चि च र न्या वी र न्या
ग ड ली न्या नो चि च म प रे वा का र न्या ली चि च र न्या वी र न्या

॥ इहो गमा कलुषा बुद्धि कसाप न्याका सुवे नग
 म मगगपाका अपराध का मोर जे हे मो वृक्ष नो डे
 मो फलु घा ड ग हे लस रह हे छ न म्मा व दा वे ध्या ड म
 नो पुसा जे आम्मा नि चका व न्म न्म दून का न अ वी स मो
 त वर नार्थ च ग व मी व सग न न्म न प सो हा इ न अ ची के ही
 म रा आ च म म रा ह न्मा ह न के पा का का ती दे उ त व मे स पा
 ला का ती डि उ ला मी ड त व ही ल्म क नु सि की नी ग दू न हे मी
 च म रा व ल न्मा रै छ दा त प ने मे रा क म जे छ न त स थ ल स वे
 का पा ला म ले का डु व म क न्मा छे न र ल का व र म ड ग डु मे म
 ल स म्मा अ धी ठा म्मा पा ला का ती डि उ न प द्य न नी का डु न
 ल के ला ला ति का ती डि उ ला क न्मा त व पी ग व व प र वा का
 ल म्मा अ छ न हे मी व ले सो म प म्मा ति स क हो ती ति का ती म्मा
 ह व ल प द्ये वा म मे रा म्मा क ति डि उ ला म्मा ही रै न्म म्मा
 म्मा वी नी ग दू न हे छ न म्मा प सो न न्मा के छ क सो म
 म्मा मे ले आ म्मा म्मा म्मा के र म्मा म्मा पि द्ये प र आ म्मा को
 र म्मा म्मा पि ने न्म म्मा म्मा प द्य प ध न र म्मा र म्मा ध न
 र म्मा ॥ आ म्मा नं स ठ ते र म्मा र म्मा पि ध न र म्मा ॥ १ ॥ प ले आप
 म्मा प ल की म्मा ध न का म्मा प म्मा प द्ये त म्मा ध न म्मा र म्मा र
 म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र
 म्मा प म्मा ति डि वी म्मा म्मा म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र म्मा र
 म्मा न न्मा त व फे र म्मा म्मा व न्म न्म न्म न्म न्म न्म न्म न्म न्म न्म न्म

म्मा म्मा प म्मा का छ न्म प म्मा आ म्मा म्मा म्मा र म्मा ह न्मा ह न्म
 प ह न्म म्मा पि डि ड म्मा ह न्म म्मा म्मा म्मा र म्मा ह न्म म्मा म्मा म्मा म्मा

स्त्रीमापना काद्वन्तर पनी आकाशायमा रहन्पाह नले
पहत दुसापीड ड/सहस्रस कीसाहेन दकसो नन्पापानी
जनमनेधलेवलेभीउषपीकनपनीउपकारगुनिद्वत्त
स्कारनयससैसारमायीजुलाईके नपनीउपकारगुनिन्पा
कोदतसर्वदिनहकुलेमताईधनजनमनीभीलाईकनेसमा
पनीमानीराछादरयसेवेलेनेलेइनहकफरेलानगन्याला
मेरोलाईकेसोगिरुतलोभेलेवाचनपनीभीकरहेकेहीया
गुनपायापनीमलाइइनहकुलेदोरेलाहहेपीचवसेमेराप्रात
पागहुवलेमेरासासयपाहन्पाहकुकरनीयावनेपदहेनी
थहाउमासुलेवन्पाकामलपुत्रपसतापरिहेकल्लाता
हुन्पागुरोहो नन्पायतीवचतारातनानन्पापद्विपरे
द्वपमानुसिकेहीरिन्पकनुबोवीनीगधनहेना
हारातीतीधनेधनेइलायेसेवककनीभीना
आपनाप्रानन्पागनेसकन्पातीभीयसतागुनकक
केलेकेकरुजाइनेगपदकानीहरन्पकछालेसेवे
पासाकातीडिचालाहपदरनवेपरेकाकनवहुने
ओउपमावसितामान्पागरिरुनयीउगुवन्पाभीछी
नीगधनहेभीआपनावधीबहुनातीतिभीहमसेवेजला
पनीओअंउप्रासापानीमगसिताहीरुमिपवलगुहेत
कसेमोडेधनपद नन्पातेपेछेद्वरुहचारसपेजे
जनधा नपाकर आपाचा ना आहापरेडेपीपाउद्वे

तल्लिमीचगर्कसो गारिहिलाक्यो न्यासं सारकीचेनल
सीतमीचलामुहं न्द सससितमीचमीला ईगुनोप तसि
कसो गारिमीचगर्कहिलाते राधानाप दितामुहं आमु गार्ड
वात्तासीतको पृतिव सोगारिहिलसकला वया अथंले लया
मृजाले स्याल सीतमीचतर्क कतमृगस्तर्क सपासा पारथ्यो
तसतर्क करनहुन जाला न्यासत वज्रचुपत न न्यासतयो
ऊरुकेसोको क कुरुह वस्तु मंडाहीतं न्यक मृलो न न
द्वनहेल धुपत न लोम पोकु रे न कही छु मृगहा प्रान्त
यकमृद्य न्याका डेरमा पपिकनां न्याकोपो रिथी पोठल
नगर मापहत डिनडे धीवडा प्री मति सीत मृगरकाग डिति ड
इजता व स्मी थी पा यक डी व छा न्यामृगरकाग वनावीचे
चनडा इ कन पुन नै क व फी डी मा स्यालले डे पे ह म न्या
चीनानाग न्यासो कसो गारित्यो मृगको सा न्यास न पड
आ अवन्तो मृगसित वी स्या मृग न प सो ननी अथि सरी क
न मृगला इ वला डे नुलाग पोह मी च क स्या द्यो न न्यासत
वमृग न न्द न त को ह र कतं वात आ इ स न न्यासाल
मन्धन म स्यु न्द को व वी न्यास स्याल हो वना सी वन न
चत वन म न न्यासलो चेर का दु ओ जेटी स्या ड री न्या
आर डे आ ज व न न्यास लाल गपो अवे ड प्रान्त ती मी
से वा ग डे छु न न प द्यो ही न्यास वा ग डे छु ननी स्यालले न
न्यास डे छी छु पपनी अरुत वज्र पवत पुप ता ह डे प्र
नान मृक मृग डे वी न्यास प म्प का न व मनी मृग वा स व
रुप का ह डे मृग पु म्प र का म न्द हे मी ग न्यास डे छी

[illegible]

महामारी संदा तब दुध का मीठा का वीरलाले गंधा डकी कंठ
महरोडा मारी मागस को पति सोना पति न. सैदु अरमा.

[illegible]

अंगुली का दूध हां कन्या तेजवी राजा लोकोन छिद्र कनहार
 हीरवीर का स्मरण गाँव नंदन हेमदध राजवरी सात रुनी
 कन्या तेजवी स्नाभा नृपेक्षित सपुत्रि ल सवेरा स्नेहरि सका
 कोहु अही सावरी वाकुली के हरि हन द सवेही स्ना डी विकरक
 लहना सवेकन आम्प डी न्यापतु धामगुपु डी स्वावा
 समुद्धन तव पेम हन सूरत जनक मरणा न्याप दिला लेता
 डरक धर्म माझ छीउपु ड अरु करि हन न ससुकर रंग मो
 जा मारु या रह छ माया का भन्या धर्म पल कुरु वको
 स्वा डमा बरु पु वुडवा को ता शान त्याग मे जा न्द नरुता
 करल वरु हन हव सुवन मा सा क द नु ड ल उ वज न्या
 धा ड पान ले वन सित करि म नु द न र

आध्यात्मिक
 2316
 AGRA TAPAS

